

| <p>तारीख हुकम</p> | <p>हुकम या कार्यवाही/मय इनिशियल्स सत्र</p> | <p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम को तारीख में जारी हुए</p> |
|-----------------------|--|---|
| <p>29.5.19</p> | <p>वकील उग्रपदा उपस्थित होकर पत्रावली दाखल की गई। अदालत में वकील रजिस्ट्रार द्वारा प्रकरण अधिक न्यायालय में प्रवेश धारा 136 LR Act में दर्ज कराया जाना, तथा अपीलार्थी निर्णय में धारा 136 LR Act में तदनुषंग किया जाना इत्यादि कराया। पत्रावली में अपीलार्थी निर्णय में उल्लेखित किया गया। वकील उग्रपदा इस बात पर प्रश्न किए कि धारा 136 LR Act में प्रावधानों की अपील इस न्यायालय में आवेदनपत्र के अन्तर्गत परन्तु निर्णय में वादपत्र लिखा है कि निर्णय की त्रुटि पारि होने के अन्तर्गत प्रमाणों पर कर न्यायालय द्वारा ही निर्णय किया जाना में निवेदन अर्थात् अधिकारों द्वारा किया गया है। पूर्व में 22-3-17 में RAA Court ने आवेदनपत्र में मान कर ही वह की थी, अतः अदालत मुनि पारि पत्रावली पर इस बिन्दु पर उग्रपदा की अदालत मुनि गई। LR Act धारा 136 में प्रकरण मान कर ही अपीलार्थी निर्णय पारि है, परन्तु उग्रपदा में वादपत्र लिखा कि प्रमाण व त्रुटि पारि करने के आधार पर प्रकरण में धारा 136 LR Act के अन्तर्गत प्रमाणों पर उग्रपदा धारा 136 LR Act में आवेदनपत्र इस न्यायालय में नहीं होने के अपील maintainable नहीं होने से अपील इस स्तर पर ही खारिज की जाती है। अपीलार्थी अदालत न्यायालय में चारोंपारि है। अतः अदालत निर्णय को उग्रपदा मुनि गया। पत्रावली नम्बर 17 में प्रमाण है।</p> | <p></p> |

29/5/19
(हेमन्तस्वरूप माथुर)
अ. प्रवक्ता अधिकारी एवं मुद्रित